५. यीशु हमारे बदले में मुआ

- यीशु के विरुद्ध षडयंत्र
- फसह का पर्ब्ब
- यीशु गतसमनी बाग में
- यीशु पर मुकदमा
- यीशु क्रूस पर

यीशु के विरुद्ध षडयंत्र

मुख्य धार्मिक अगुवे यीशु के बैरी थे क्योंकि वह उनके पापों के विरुद्ध प्रचार करता था। जलते थे कि भीड़ उसके पीछे हो लेती थी। यीशु ने बीमारों को चंगा किया, यहां तक कि कितने मृतक व्यक्तियों को जिलाया। यीशु में मसीह होने की सभी नबूवतें पूरी हुईं। फिर भी धार्मिक अगुवे उसका इन्कार करते रहे। उन्होंने यीशु को पकड़ने का निर्णय किया, उस पर विद्रोह का दोष लगाया और मार डालने की मंसा की। परन्तु वे डरते थे कि यदि वे यीशु को खुले में पकड़ेंगे तो भीड़ उसका साथ देगी। इसलिए उन्होंने उसके एक चेले यहूदा इस्कारयोती को घूस दिया ताकि वह रात में यीशु को पकड़वाए।

उत्तर लिखें

१. यीशु के बैरी कौन थे?

...... क) साधारण लोग।
...... ख) कुछ धार्मिक अगुवे।
...... ग) रोमी सरकार कें अधिकारी

फसह का पर्ब्ब

फसह का पर्ब्ब मनाया जाता था कि परमेश्वर ने अपने लोगों को दासत्व से स्वतंत्र किया। प्रति वर्ष इस पर्ब्ब में एक मेम्ना पाप के बदले में बलिदान किया जाता था। यह यीशु के बलिदान होने की एक तस्वीर थी। जब यीशु ने अपनी सेवा आरम्भ की, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने कहाः "देखो परमेश्वर का मेम्ना जो जगत के

पाप उठा ले जाता है।" इसके लिए यीशु को हमारे पापों के बदले बलिदान होना पड़ा। चेलों के साथ अन्तिम फसह खाने के बाद यहूदा को पकड़वाने बाहर चला गया।

उत्तर लिखें

२. यूहन्ना ने यीशु का परिचय कैसे कराया?

..... क) परमेश्वर का पुत्र।

..... ख) परमेश्वर का मेम्ना जो पापों को उठा ले जाता है।

ग) प्रतिज्ञा किया हुआ मसीह।

यीशु गतसमनी बाग में

यीशु प्रार्थना करता है

यीशु जानता था कि यहूदा उसको पकड़वाएगा। यीशु अपने को बचा सकता था, परन्तु वह हमारे बदले में मरने के लिए जगत में आया था। उसने अपने चेलों को बताया कि वह क्रूस पर मारा जाएगा और तीसरे दिन फिर जी उठेगा। भोज के बाद यीशु चेलों के साथ गतसमनी बाग गया जहां वह अक्सर प्रार्थना करने जाता था।

फिर वे गतसमनी बाग में आए, और उसने अपने चेलों से कहा "यहाँ बैठे रहो, जब तक मैं प्रार्थना करूं।" वह पतरस, याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया: और बहुत ही अधीर, और व्याकुल होने लगा। उसने उनसे कहा: "मेरा मन बहुत उदास है, यहां तक कि मैं मरने पर हूँ; तुम यहां ठहरो, और जागते रहो।" वह थोड़ा आगे बढ़ा और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा। हे अब्बा, हे पिता, तुझ से सब कुछ हो सकता है, यदि हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए, तो भी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वही हो।"

मरकुस १४:३२-३६

यीशु जो निष्कलंक था, उसके लिए यह सहन करना कठिन था कि परमेश्वर के सामने संसार के पापों का दोष अपने ऊपर ले। परन्तु यीशु हमें हमारे पापों से

बचाना चाहता था। अनन्त जीवन देने का और कोई उपाय नहीं था इसलिए यीशु हमारे पापों के बदले में मुआ।

ऐसा करें

३. यीशु के शब्दों को मुखाग्रः करेंः "जैसा मैं चाहता हूं, वैसा नहीं, पर जैसा तू चाहता है।"।

यीशु का पकड़वाया जाना

प्रार्थना के समय स्वर्गदूतों ने आकर यीशु को हिम्मत और सामर्थ दिया। उसके चेले सो गये थे। अन्त में उसने अपने चेलों को जगाया और कहा, "अब समय आ पहुँचा है।" यहूदा भीड़ को लेकर यीशु को पकड़वाने के लिए वहां आ पहुँचा।

> तब यीशु ने महायाजकों और मन्दिर के पहरुओं के सरदारों और पुरनियों से, जो उस पर चढ़ आए थे, कहाः "क्या तुम मुझे डाकू जानकर तलवारें और लाठियां लिए हुए निकले हो? जब मैं आराधनालय में हर दिन तुम्हारे साथ था, तो तुम ने मुझ पर हाथ न डाला।" फिर वे उसे पकड़कर ले चले और महायाजक के घर में लाए
>
> लूका २२:५२-५४

उत्तर लिखें

४. किस चेले ने यीशु को पकड़वाया?

.....

यीशु पर मुकदमा

छः बार यीशु का मुकदमा हुआः

१. अवकाश प्राप्त महायाजक के सामने।
२. कर्मठ महायाजक के सामने।
३. यहूदी हाकिमों के सामने।
४. रोमी राज्यपाल, पीलातुस के सामने।
५. हेरोदेस राजा के सामने।
६. दूसरी बार पीलातुस के सामने।

और भोर होते ही तुरन्त महायाजकों, पुरनियों और शास्त्रियों ने बरन सारी महासभा ने सलाह करके यीशु को बन्धवाया और उसे ले जाकर पीलातुस के हाथ सौंप दिया।
मरकुस १५:१

वे उस पर दोष लगाने लगेः "हम ने इसे लोगों को बहकाते और कैसर को कर देने से मना करते, और अपने आपको मसीह राजा कहते सुना है।" पीलातुस ने उससे पूछा, "क्या तू यहूदियों का राजा है?" यीशु ने उत्तर दिया, "तू आप ही कह रहा है।" लूका २३:२,३

यीशु ने कहाः "मेरा राज्य इस जगत का नहीं; यदि मेरा राज्य इस जगत का होता, तो मेरे सेवक लडते, कि मैं यहूदियों के हाथ सौंपा न जाता।".....

फिर पीलातुस यहूदियों के पास निकल गया और उनसे कहा, "मैं तो उसमें कुछ दोष नहीं पाता। पर तुम्हारी यह रीति है कि मैं फसह में तुम्हारे लिए एक व्यक्ति को छोड़ दूं सो क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए यहूदियों के राजा को छोड़ दूं?" तब उन्होंने फिर चिल्लाकर कहा, "इसे नहीं! परन्तु हमारे लिए बरअब्बा को छोड़ दे।" (बरअब्बा डाकू था)।
यूहन्ना १८:३६-४०

पीलातुस जानता था, कि महायाजकों ने उसे डाह से पकड़वाया था। परन्तु महायाजकों ने लोगों को उभारा, कि वह बरअब्बा ही को उनके लिये छोड़।

पीलातुस ने भीड़ से फिर पूछाः तो जिसे तुम यहूदियों का राजा कहते हो, उसको मैं क्या करूँ? वे फिर चिल्लाए, "उसे क्रूस पर चढ़ा दे!" पीलातुस ने उनसे कहा, "क्यों, इसने क्या बुराई की है!" परन्तु वे और भी चिल्लाए, 'उसे क्रूस पर चढ़ा दे!" तब पीलातुस ने भीड़ को प्रसन्न करने की इच्छा से, बरअब्बा को उनके लिए छोड़ दिया, और यीशु को कोड़े लगवाकर सौंप दिया, कि क्रूस पर चढ़ाया जाए। मरकुस १५:१२-१५

उत्तर लिखें

५. किस राज्यपाल ने यीशु का मुकदमा किया?

.....

६. राज्यपाल ने क्या कहा?

..... क) मैं इसे दोषी पाता हूं।

..... ख) मैं इसमें दण्ड देने का कोई दोष नहीं पाता।

..... ग) मुकदमा समाप्त किया जाए।

यीशु क्रूस पर

नबूवतों का पूरा होना

यीशु के बैरियों ने मुकदमे में झूठी गवाही दी। सिपाहियों ने यीशु को ठट्ठों में उड़ाया, उस पर थूका, और कोड़े मारे। वे उसे दो डाकुओं के साथ बन्दी बनाकर अपना क्रूस उठाए सड़क से उस पहाड़ी की ओर ले गए जो कलवरी कहलाता है।

उन्होंने यीशु के हाथों और पैरों को क्रूस पर ठोंक दिया और वह ठट्ठा करने वाली भीड़ से घिरा था। यही परमेश्वर का पुत्र था और उनके लिए वह मर रहा था ताकि उन्हें अनन्त मृत्यु दण्ड से बचाए। वह स्वर्ग से आग गिरा कर सब को भस्म कर सकता था, परन्तु उसने प्रार्थना कियाः "हे पिता उन्हें क्षमा कर! वे नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।"

यशायाह ने लिखा था कि मसीह लोगों के पापों के लिए मारा जाएगा।

वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएं। हम सब भेड़ों की नाईं भटक गए; और अपना-अपना मार्ग लिया। यहोवा ने सबों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।.....
अत्याचार और दोष लगाकर वे उसे ले गए;.....
वह जीवितों के बीच में से उठा लिया गया। मेरे ही लोगों के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी।

यशायाह ५३:५-८

नबियों ने लिखा कि वह एक मित्र द्वारा पकड़वाया जाएगा, उसके हाथों में कीलें ठोंकी जाएंगी, उसकी हड्डियों के जोड़ खुल जाएंगे। लोग उसकी हंसी उड़ाएंगे, पीने को सिरका देंगे और उसके कपड़े लेने के लिए चिट्ठी डालेंगे। ये सभी घटनाएं क्रूस पर यीशु के साथ पूरी हुईं जैसा नबियों ने कहा था।

ऐसा करें

७. यशायाह की नबूवत तीन पढ़ें।

यीशु की मृत्यु

दर्शकों में से सभी यीशु का निरादर नहीं कर रहे थे। दो डाकुओं में से एक ने जो यीशु के साथ क्रूस पर था, उस पर विश्वास करके अपने पापों से बचाया गया।

उसने यीशु से कहा, "हे यीशु, जब तू अपने राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना।" यीशु ने कहा, "मैं तुझसे सच कहता हूं, आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा।"

लूका २३:४२-४३

लगभग दो पहर से तीसरे पहर तक सारे देश में अंधियारा छाया रहा। सूर्य का उजियाला जाता रहा, और आराधनालय का पर्दा बीच से फट गया। यीशु ने बड़े शब्द से पुकार कर कहाः "हे पिता मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं।" यह कह कर प्राण छोड़ दिया।

लूका २३:४४-४६

तब सुबेदार और जो उसके साथ यीशु का पहरा दे रहे थे, भुईडोल और जो कुछ हुआ था, देखकर अत्यन्त डर गए; और कहा, "सचमुच, यह परमेश्वर का पुत्र था।"

मत्ती २७:५४

ऐसा करें

८. रिक्त स्थानों में अपना नाम लिखें:

जब यीशु क्रूस पर मरा, वह.....
.....के पापों के बदले में
मुआ। उसने .....के
पापों के दण्ड को उठाया जिसके योग्य मैं
था ताकि.....अनन्त जीवन का
आनन्द पाएं। हे परमेश्वर, यीशु को भेजने
के लिए धन्यवाद जिसने.....
का स्थान लिया।